पाठ 1
पुष्प की अभिलाषा

आइए सीखें : • देश प्रेम, त्याग और बलिदान की भावना का विकास। • संदर्भ सहित भावार्थ लिखना। • पर्यायवाची शब्दों का ज्ञान। • शुद्ध वर्तनी का अभ्यास। • वचन परिवर्तन। • संज्ञा और क्रिया की पहचान।

चाह नहीं मैं सुरबाला के,
गहनों में गूँथा जाऊँ।
चाह नहीं प्रेमी माला में,
बिंध प्यारी को ललचाऊँ।

चाह नहीं सम्राटों के शव,
पर, हे हरि, डाला जाऊँ।
चाह नहीं, देवों के सिर पर,
चढ़ूँ, भाग्य पर इठलाऊँ।

मुझे तोड़ लेना वनमाली,
उस पथ पर तुम देना फेंक।
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने,
जिस पथ जाएँ वीर अनेक।

– माखनलाल चतुर्वेदी

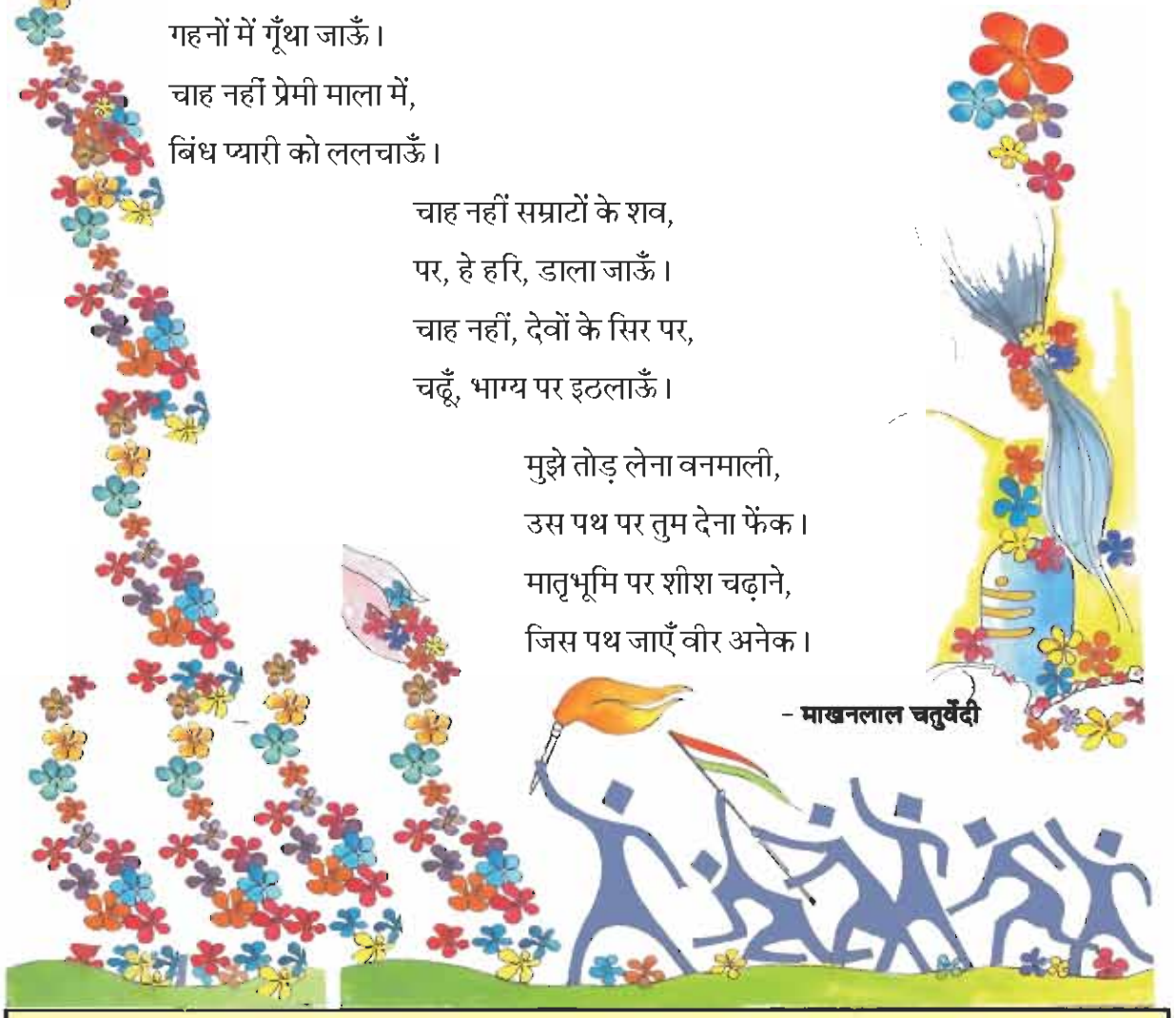

शिक्षण संकेत : • कविता का हाव-भाव के साथ एकल तथा सामूहिक सस्वर पाठ कराएँ। • कविता का सन्दर्भ लिखने के विषय में जानकारी दें। • कठिन शब्दों के अर्थ वाक्य प्रयोग द्वारा समझाएँ। • बच्चों के सहयोग से कविता के भाव स्पष्ट करें।

कवि परिचय:- माखनलाल चतुर्वेदी का जन्म 4 अप्रैल 1889 ई. को म.प्र. के होशंगाबाद जिले के बाबई नामक स्थान में हुआ था आपने 'प्रभा' व 'कर्मवीर' नामक पत्रिका का सम्पादन किया आपकी रचनाओं में कृष्णार्जुन युद्ध, हिमकिरीटिनी, साहित्य देवता, हिमतरंगिनी, युगचरण, समर्पन आदि प्रमुख हैं।

बोध प्रश्न:-

1. निम्नांकित शब्दों के अर्थ पुस्तक में दिए शब्दकोश से खोजकर लिखिए:-

सुरबाला	.....	**पथ**	.....
बिंध	.....	**शीश**	.....
सम्राट	.....	**शव**	.....
इठलाना	.....		

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) देवों के सिर पर चढ़ने के बाद पुष्प के कौन से भाव व्यक्त होते हैं?

(ख) पुष्प वनमाली से क्या कह रहा है?

(ग) पुष्प अपनी राष्ट्रीय-भावना किस प्रकार व्यक्त करना चाहता है?

(घ) पुष्प ने कहाँ-कहाँ नहीं चढ़ने की इच्छा व्यक्त की है?

3. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

मुझे तोड़ लेना वनमाली, उस पथ पर तुम देना फेंक।

मातृभूमि पर शीश चढ़ाने, जिस पथ जाएँ वीर अनेक॥

क) कविता के कवि का नाम लिखिए?

ख) यह कविता किस पाठ्यपुस्तक से ली गई है? उसका नाम लिखिए।

ग) इस कविता के पाठ का नाम (शीर्षक) क्या हैं? लिखिए।

घ) कविता की मुख्य भावना क्या है?

प्रश्न 4 आप पुष्प को कहाँ कहाँ ले जाना चाहते हैं ? पुष्प और स्थान को रेखा से मिलाइए।

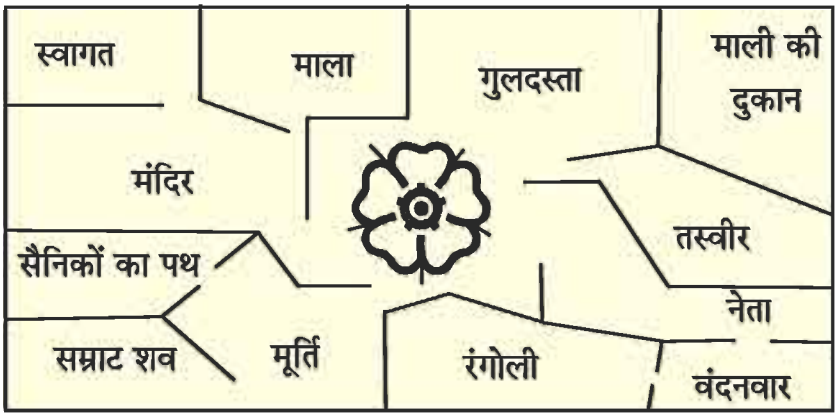

भाषा अध्ययन

1. **निम्नलिखित शब्दों के उच्चारण कीजिए और उन्हें वाक्यों में प्रयोग कीजिए-**

सुरबाला, सम्राट, भाग्य, मातृभूमि, गूँथना, शव।

2. **दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द चौखाने में से छाँटकर लिखिए-**

नीर, धरती, वसुधा, सुमन, जलद, जल,
कुसुम, रवि, शशि, चन्द्रमा, दिनकर, मेघ

शब्द	पर्यायवाची शब्द	शब्द	पर्यायवाची शब्द
उदाहरण:-			
पानी-	जल, नीर	बादल	.....
पृथ्वी-	.....	सूर्य-	.....
फूल -	.....	चन्द्र -	.....

3. **निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए-**

समराट, मात्रभूमि, गूंथा, बनमानि, पँथ, सीस, शिर।

4. **निम्नलिखित में से संज्ञा और क्रिया शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए-**

सुरबाला, पुष्प, चाहना, गूँथा, ललचाऊँ, हरि, देव, सिर, चढ़ूँ, इठलाऊँ, वनमाली।

संज्ञा	क्रिया

संज्ञा	क्रिया

योग्यता विस्तार

1. देश के लिए अपना जीवन न्यौछावर करने वाले वीरों की सूची बनाइए।
2. त्याग और बलिदान की भावना से सम्बन्धित कविताएँ खोजकर कक्षा में सुनाइए।
3. अपने आस-पास पाए जाने वाले फूलों की सूची बनाइए।
4. बालसभा में इस कविता का हाव-भाव के साथ वाचन कीजिए।
5. पुष्प पर आप कुछ पंक्तियाँ लिखिए।

....

....

....